VOL. 45, JULY - SEPTEMBER 2013

FOR FREE CIRCULATION WITHOUT ANY
COMMERCIAL OBJECTIVE

In the Name of GOD

अर्न्तध्वनि
The Inner Voice

आत्मा की आवाज़
The Voice of Soul

Only for those, who are keen to live purposefully and leave peacefully.

केवल उन्ही के लिए जो शालीनता से जीना और शान्ति से जाना चाहते हैं।

Mission Happiness®

TURN to God
before you
RETURN to God

Mission Consciousness®

www.facebook.com/antar.dhwani.1

e-mail : contact@missionhappiness.in
visit us at www.missionhappiness.in

The Voice of Soul !

आत्मा की आवाज़ !

किस के लिए? – इसकी need तो सबको है, किन्तु यह उस class के लिए सबसे ज्यादा essential है जो **financially safe** हैं और **intelligently strong** हैं। जैसे, doctors, judges, lawyers, bureaucrats, businessmen, educationists etc. Because lower earning class तो survival के लिए ही संघर्ष करते रह जाते हैं। **Middle and higher income class वाले ज़्यादा दूरदर्शी हो सकते हैं।** बचपन और जवानी की farsightedness ने उन्हें आज successful बनाया। और **अब की दूरदृष्टि, दिव्य दृष्टि के लिए बहुत ज़रूरी है** – because

आत्मा कभी भी अचानक Body को अलविदा कह सकती है।

किन्तु mind + soul को तो लम्बी सजा भुगतनी ही पड़ेगी। Therefore soul awakening is important.

क्यों? **Rich and literate के पास** सब कुछ है **but happiness का index बहुत नीचे है।** सड़क पर car-motor cycle चलाते हुए देख लीजिए, **Face पर रौनक नाम की रंगत ही गायब है।** office या घर में देखें, **किसी के आने पर जबरदस्ती की, ficticious smile.** **अपने से ही अपनापन नहीं है, तो दूसरों से अपनापन कैसे हो सकता है?** यह सब स्वीकार करना हिम्मत की बात है। Child like, mature & meaningful living की गहरी आवश्यकता है।

And change comes only with courage

कैसे बनती है? **Mission Happiness** में सबसे ज्यादा ध्यान **consciousness** पर दिया जाता है। **नकली जीवन से मुक्ति** के इस campaign में सबसे पहले प्रभु हमसे ही practical experiments करवाते हैं। **लोग जिन्हें theoretical बातें समझते हैं, यहाँ practical experiences हो रहे हैं।** **पवित्र और संस्कारी जीवन – वाह! मज़ा आ रहा है।**

छोटे बच्चों की तरह हंसते खेलते, बड़ा business हो रहा है। हमें God ने जो खुशी और चेतना दी है – उसको मित्रों तक पहुंचाना ही हमारा सौभाग्य है।

God क्या है?

और उसका अनुभव....

body की death से पहले ही?

How?

हैरान करने वाला subject है न? परमात्मा को पाया नहीं, इसीलिए परेशान हैं और जैसे ही पा (अनुभव कर) लेंगे,

सारी परेशानी हैरानी में बदल जाएगी।

God की विराटता और भव्यता को समझना यद्यपि इन्सानी क्षमता के बहुत बाहर है, किन्तु अपने रचनाकार को **जानना जरूरी** भी तो बहुत है। **परमात्मा एक infinite energy है,** जो इस धरती सहित लाखों, करोड़ों ग्रहों और उपग्रहों के कण-कण में विद्यमान है। **परमात्मा ने यह संसार बड़े शौक से बनाया।** किन्तु **अपनी छोटी सोच** के कारण हम **उसके बड़ेपन से दूर हो गए। बड़ापन (Higher thinking) higher energy के साथ जुड़ कर बड़े काम करवाती है।**

बड़े काम - बोले तो - **equality, love, सहयोग।** यहीं से निकलती है **peace - शांति**, और **महसूस होती है happiness.**

Godness is Goodness. God is Higher Consciousness.

कैसे experience करें? ''बच्चे - मन के सच्चे।'' बच्चों को अपने से ज्यादा, अपने माता-पिता पर विश्वास होता है और **जहाँ विश्वास होता है वहाँ चिन्ता नहीं होती।** Therefore, **सर्वप्रथम बच्चे बनने का decision ले लें।**

अपने जन्म और मरण की visualisation से ही **God की power** का आभास किया जा सकता है। **जो हमें जन्म दे सकता है, समाप्त कर सकता है, वह हमें happiness and success क्यों नहीं दे सकता?**

This firm faith leads to firm determination & God realisation.

Life force (God) को realise करने के simple steps :

1. **Solid decision लेना - तभी कुदरत help शुरु कर देती है। I love God, I love everyone, everything.**
2. **Present में thankful रहना - Past & Future की thoughts को avoid करना।**
3. **हर घटना के अन्दर झांकना - lesson ही lesson मिलेंगे। नसीहतें नहीं लेने वालों को लानतें मिलती हैं।**
4. **New lessons से ही life में newness आती है and newness से ही happiness आती है।**

Result

Maximum Peace

Minimum Anger

Discovery of Life is Discovery of God.

मृत्यु – और ज़िन्दगी कैसी हो तुम ?

ज़िन्दगी – अरे, क्या बताऊँ, बस कट रही है।

मृत्यु – O fool! कट क्यों रही है? इतने शौक से God ने तुम्हे इस earth school में भेजा था !

ज़िन्दगी – **शौक** से भेजा था ? अरे, मैं तो **शोक** में ही ज्यादातर रहती हूँ।

मृत्यु – यही तो पागलपन है। शोक में ही तू रहती है और शोक में ही तू मेरे से मिलने आ जाएगी।

Life - Then what should I do? There is so much struggle, so much strain, because I want to be successful!

Death - अरे, पगली तुझे **successful होने का अर्थ भी मालूम है कि नहीं ?**

Life - उँह ! मालूम क्यों नहीं है ! मेरे पास तो बहुत तेज बुद्धि है।

success means - more money - more fame

Death - Laughing loudly ! Oh my God. तेरे पास बुद्धि है, but you **lack wisdom.** Money and fame तो destiny (पिछले कर्मो के फल) के according तुझे मिलना ही है। कमाल है, **जो तुझे मिलना ही है, उसी के लिए struggle कर रही है?**

success means - सुख, शान्ति, प्रेम सहित सीधा सच्चा जीवन जीना और प्रसन्नतापूर्वक मेरे में आकर मिल जाना।

ज़िन्दगी – क्या theoretical बातें समझा रही है! इतना competition है चारो तरफ ! If I will not put efforts, how shall I get money and fame? बैठे-बैठे तो success घर में आ नहीं जाती। कुछ करना तो पड़ेगा ही न ?

मृत्यु – ओ नासमझ ज़िन्दगी, **तू human being है। तुझे human doing क्यों नहीं कहते ?**

ज़िन्दगी – अरे हाँ ! यह तो मैने **सोचा और समझा ही नहीं। सिर्फ सुनती हूँ।**

सच्चा संवाद - जीवन और मृत्यु में !

A mind opening conversation between Life and Death !

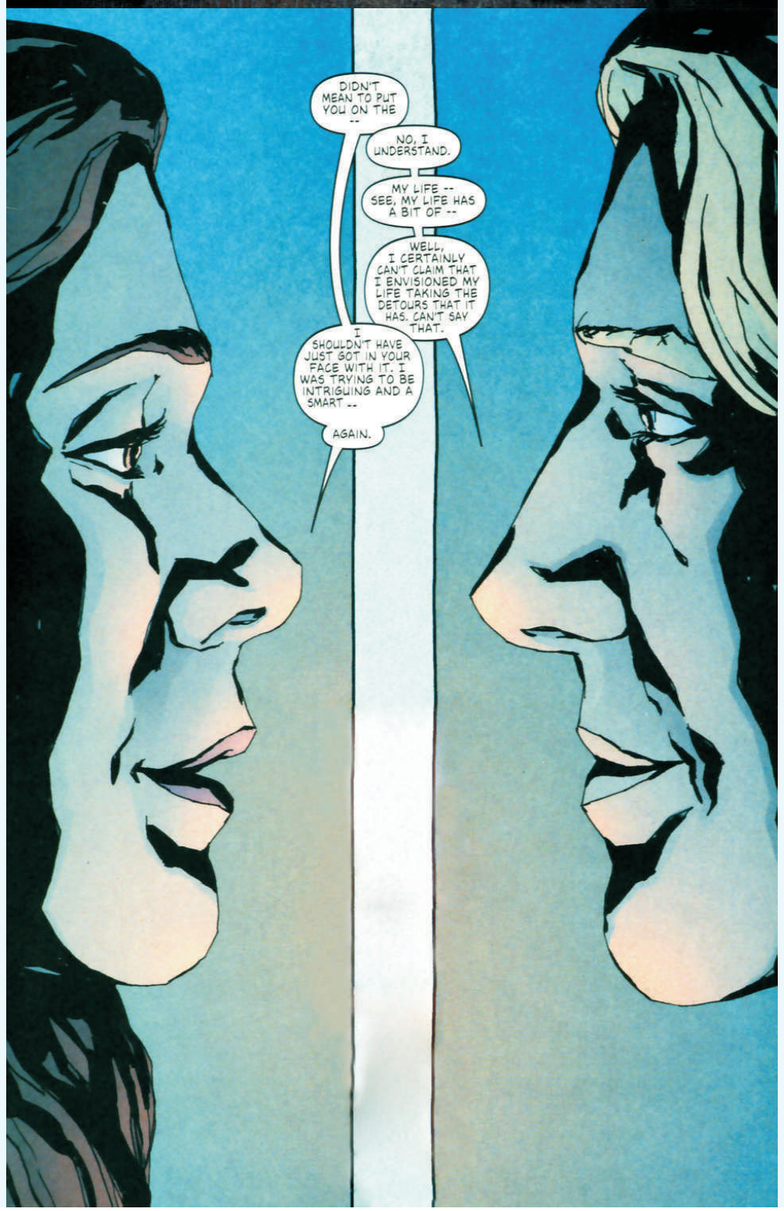

Death - My dear sister, जब तक तू life के laws को नहीं पढ़ेगी, life को जीने का अंदाज़ और मजा कैसे आएगा तुझे? अपना constitution संविधान पढ़े और समझे बिना अपनी वकालत कर रही है और ज़िन्दगी का मुकदमा हारती चली जा रही है और रोती कलपती मेरे पास आ जाती है।

Life - बहुत भाषण दे रही है तू ! तेरा **नाम लेना भी लोग शुभ नहीं समझते।**

Death - ओ मूर्ख। यहीं तो तू हार गई। **मैं ही तो सच हूँ और सच अशुभ कैसे हो सकता है?**

Life - I am very much disturbed. Please tell me what I should do? अब मैं इस **बेहोशी और मूर्खता से मुक्ति कैसे पाऊँ ?**

Death - देख भाई ! तू **हर समय मुझे ध्यान में रख**। In the beginning you will find uneasy but **तीन-चार दिन में ही तुझे मस्ती आने लगेगी। अन्जाम से अन्जान बन के न रह। फिर तुझे अपने से ही प्यार होने लगेगा।**

ज़िन्दगी – **अपने से प्यार होने का क्या मतलब** है ? वह तो मैं करती ही हूँ।

मृत्यु – **खाक प्यार करती है! गुस्सा करना, घमंड में रहना, परेशान होना, क्या यह अपने से प्यार करना है ?**

ज़िन्दगी – काफी कुछ समझ में आने लगा है। बाकी सच्ची बातें फिर बताना। **मैं मरने से पहले जी भर कर जीना चाहती हूँ।**

The real question is not whether life exists after death. The real question is whether you are alive before death.

— Osho

The fear of death follows from the fear of life. A man who lives fully is prepared to die at any time.

— Mark Twain

Self Evaluation
(आत्म चिन्तन)
for
Self Evolution
(आत्म उन्नति)

Better Life
or
Bitter Life ?
Choice हमारी है!

Wise and unwise में क्या difference होता है? बुद्धि तो दोनो के पास होती है।

समझदार अपना ध्यान, बुद्धि consciously अपनी research and development पर लगाते हैं जबकि **नासमझ अपना ज्यादा ध्यान दूसरों पर लगाकर स्वयं अपनी R&D कर ही नहीं पाते और मन की गरीबी के साथ ही पराजित होकर संसार से चले जाते हैं।** जो person जितना अपने **thoughts, deeds, speech इत्यादि consciously analyse करता है, उसका happiness index इसलिए increase होता जाता है,** because नयापन, innovation आनी start हो जाती है। अपने आस-पास के लोगों को अच्छे लगने लगते हैं।

Relations में equality and friendship की feeling develop होने लगती है। Many judges of high court, leading doctors, giant businessmen and senior bureaucrats को नजदीक से देखने पर पाया कि उनमें **ego कम होने के कारण, हँसमुख स्वभाव और आत्मीयता उन्हे physical and mental ailments से बहुत दूर रखती है।** इस निम्नलिखित table को बनाकर आप continously seven days तक consciously happiness generate करने का निश्चय कीजिए। Really ज़िन्दगी में एक नयापन feel करने लगेंगे।

Date	Activity	% of happiness generation for self	% of happiness generation for others

For Example, किसी ने आपकी insult कर दी। अब तीन reactions हो सकते हैं :-

1. SAD - आप anxious हो गए, डर गए, दब गए, कुण्ठाग्रस्त हो गए।

2. MAD - गुस्सा होकर frustrate हो गए और लड़ पड़े - बात out of control हो गई।

3. GLAD - अरे वाह ! सामने वाला नासमझ है, इस घटना से learn किया जाए। सामने वाला हैरान।

In this way, घटना एक ही होती है, अपने स्वभाव के कारण हमारे response अलग होंगे और नतीजे भी अलग आएँगे।

Continuously Self Evaluation will easily enable us to choose Bitter Life or Better Life.

मौत ने चुपके से जाने क्या कहा,
ज़िन्दगी खामोश होकर रह गई।

Mission Happiness® में

श्रापों (curses) का नही वरदानों (blessings) का

Bank Balance...Why & How?

Many नहीं Most of the people are surprised कि **Mission Happiness में**

medicines के business के साथ-साथ mind का business कैसे और क्यों होने लगा?

Answer is - **थोड़ी सी समझदारी और बहुत सारी Divine Blessings.**

देखिए, medicines का business तो इस धरती पर ही केवल कुछ वर्षों तक चलता है। **But mind की purity का business इस धरती पर तो सुख देता ही है, body की death के बाद, हज़ारों वर्षों तक आत्मा को शान्ति और सुरक्षा देगा।**

How? Mind की cleaning से poor patients के साथ ठगी करने की और doctors, chemists के साथ स्वार्थी और नकली रिश्ते रखने की हिम्मत नहीं होती है।

अगर हमने products की prices बढ़ाकर, कोई game खेलकर अपने को तथा अपने साथ जुड़े अन्य भद्रजनो को भी अपवित्र कर दिया, then patients की बद्दुआएँ, चीखे बनकर, मरने से पहले शरीर का और मरने के बाद आत्मा का पीछा नहीं छोड़ेंगी।

Illegitimate तरीके से कमाया धन तो यहाँ छूट जाएगा किन्तु रूह मैली होकर, लम्बे समय तक भटकती हुई, दुखी रहेगी। क्या यह समझदारी का business होगा?

फिर न तो हमें अपनी आत्मा की आवाज़ सुनाई देगी, न ही हम doctors, judges, lawyers, IAS officers, professors, schools तक **soul consciousness and mind happiness का अभियान fearlessly चला पाएँगे।** बस, एक ordinary pharma house की तरह व्यापार करते हुए, दुखी-सुखी होते हुए, संसार से विदा हो जाएँगे।

Today, at Mission Happiness we are fair, so we feel free from - fear and greed.
People love and respect this fairness.

So, हमारे Relations doctors and chemists के साथ
केवल मतलब के नहीं,
पवित्र व Pure life के मकसद के हैं।

ज़िन्दगी सवाल थी जवाब माँगने लगे,
फरिश्ते आकर ख्वाबों में हिसाब माँगने लगे।

Petals of Wisdom

अधर्म से जितना कमाया, उससे ज़्यादा पुण्य हो गए नष्ट,
अंदर और बाहर फैल गई बेचैनी, बढ़ते गए शरीर के कष्ट,
लोभ ने बना दिया अंधा, जबकि ईश्वर का संदेश था स्पष्ट।

बुजुर्गी इल्म से होती है, उम्र से दरकार नहीं,
अमीरी दिल से होती है, दौलत से सरोकार नहीं।

सच के रास्ते पर चलने का यह फायदा हुआ -
रास्ते में कहीं भी भीड़ नहीं थी।

एक शाम हम सैर को निकले दिल में कुछ अरमान थे,
एक तरफ झाड़ियाँ और दूसरी तरफ श्मशान थे।
पैरो तले एक हड्डी आई उसके भी यही बयान थे,
ऐ! चलने वाले सम्हल के चल-हम भी कभी इन्सान थे।।

Published by MISSION HAPPINESS. Ph. : 9837032053. e-mail : contact@missionhappiness.in website : www.missionhappiness.in Printed by : CANNON